

असाधाररग

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 256]

नई विल्ली, बुधवार, जून 3, 1992/ज्येल्ट 13, 1914

No. 256]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 3, 1992/JYAISTHA 13, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के उट्य में रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जल-भृतल परिवहन मंत्रालय

(पोर्ट शाखा)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जुन, 1992

सा.का.नि. 582(म्र):—भारतीय पत्तन म्रधिनियम, 1908(1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र मरकार एतद्द्वारा सरकारी राजपत्र में म्रधिसूचना के प्रकाशन से 60 दिन की ग्रविध समाप्त होने से ग्रयल दिन में उक्त ग्रधिनियम की प्रथम ग्रनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है, ग्रयीत्:—

उक्त ग्रिधिनियम की प्रथम ग्रनुसूची के भांग । में कोचीन पोर्ट से मंत्रीधित प्रथिष्टियों को निम्नलिखित से प्रति-स्थापित किया जाए ।

पीर्टका नाम	ग्रादेय जहाज	प्रति टन पोर्ट ड्यू	उसी जहाज पर सामान्यतया कितने समय बाद श्रादेय
कोचीन पोर्ट	 विदेशी जहाज क. स्ट्रेट सेट्टलमेंट या श्री लंका के माथ व्यापार में लगे अहाज 	यू .एस . डोलर ा से श्रधिक नही	प्रभार 60 दिनों में एक बार देय हैं।
	ख. घ्रत्य जहाज II. तटीय जहाज	यू.एम. डोलर 1 से श्रधिक नहीं दस रुपये से श्रधिक नहीं	पोर्ट मे प्रत्येक बार प्रवेश पर प्रभार देय है। प्रभार 30 दिनों में एक बार देय है

[फा.सं. पी एल-14012(5)/92-पीजी]

भ्रशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3 June, 1992

G.S.R. 582(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 33 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes, with effect from the day following the expiry of sixty days from the date of publication of the Notification in the official Gazetic, the following alterations in the first schedule to the Act, namely:

In part I of first schedule to the said Act, for entries relating to the Port of Cochin, the following entries shall be substituted, namely :-

Name of the Port	Vessels Chargeable	Rate of Port dues for ton	Date how often chargeable in respect of the same vessel
Cochin Port	I. Foreign vessels (a) Vessels engaged in trade with the straits settlements or Srilanka	Not exceeding IUS dollar	The dues are payable once in sixty days
	(b) Other vessels	Not exceeding IUS dollar	The dues are payable on each entry to the Port
	II. Coastal vessels	Not exceeding Rupees ten.	The dues are payable once in 30 days.

[F. No. PR-14012/5/92-PG] ASHOKE JOSHI, Jt. Secv.

नई दिल्ली, 3 जून, 1992

म्रधिस् चना

सा.का.नि. 583(म्र):--भारतीय पत्तन म्रधिनियम, 1908 (1908 का 15) की घारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नौवहन एवं परिवहन मंत्रालय (पोर्ट खण्ड), भारत सरकार के ग्रधिसूचना सं सा. का.नि. 1277, दिनांक 13 नवंबर, 1974 के प्रतिस्थापन करके, समयासमय संशोधन करने के प्रनसार, ऐसी प्रति-स्थापना के पहले जो कार्य करने का ध्यान रखा हो या करने से छूट दिया हो के ग्रलावा, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश दिया जाता है कि सरकारी राजपत्र में इस ग्रधिसुचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की समाप्ति के बाद के दिन से यह प्रभावकारी हो जायेगा कि अनुसूची के कालम (1) में दिये गर्ये विवरण के अनुसार तथा सलग्न कालम (2) में सुचित दरों के अनुसार तथा उक्त अनुसुची के कालम (3) में दिया गया नियत समय के अनसार कोचीन पोर्ट में प्रवेश करने वाले जलयानों से पोर्ट देयराशि का चंदा वसल किया जाना है।

ग्रनुसूची म्रादेय वेसल (15 टन या उससे ज्यादा भार के समुद्री वेसल) हर टन के लिए पोर्ट एक ही वेसल के संबंध में भ्रदायगी की प्राधिकता श्रुलक का दर 1 2 य एस सेन्ट 1. विदेशी जलयान

(क) श्री लंका या स्ट्राइट मेटिलमेंट के साथ व्यापार में लगा जलयान

(1) बैंक बल्क कारगो शिप्स/स्टीमर

15

दुबारा देयता की घ्रदायगी से 60 दिनों के लिये स्टीमर या शिप को पोर्टको देय ग्रदायगी से छट दी जायेगी।

]	2	3	-==
(2) पी.भ्रो.एल. एवं कल्डाइनरवेसल	20		-
(ख) ग्रन्य जलयान			
(1) क्षेक बल्क कारगो शिप/स्टीमर (2) पी.स्रो.एल. एवं कण्डाइनर वेसल	$\left. \begin{array}{c} 15\\ 20 \end{array} \right\}$	पोर्ट में हर प्रन्वेण के लिये देयता की ग्रदा करना है।	यगी
दर, भारतीय रिजर्वबैक, द्वारा प्रधिसचित विनियम	ंदर भारतीय रुपयो	में वेसल के पहुंचने के तारीख पर व	(सल

दर, भारतीय रिजर्व बैंक, द्वारा प्रधिस्चित विनियम दर भारतीय रुपयों में वैसल के पहुंचने के तारीख पर वसूल किया जाना है ।

2. तटीय जलयान

(1) जेक बत्क कोरगो शिप/स्टीमर	ক, 2,00	देयराणि 30 दिनों में श्रदायगी करना ।
(2) पी.भ्रो.एल. एवं. कण्डाइनर येमल	र. 4.00	

टिप्पणी .

- (1) उस विशेष वर्ष में संचालित किये जाने वाले माल के स्वभाव के कारण या ग्रन्य कारणों से एक जलयान जिसकी सुविधा के लिये निकटवर्ती वर्ष या वर्षों के लिये एक प्रत्येक जलयान के लिये लागू होने वाले दरों के ग्रनुसार ग्रतिरिक्त कन्हारी शुल्क वसूल किया जायेगा।
- (2) पॉर्ट देय राणि श्रद्धा करने से उद्देण्य से पोर्ट में प्रवेश करने वाले बेक बल्क कारगा या कंडाइनर वेसल एक ही समय भारित या श्रभारित कंडाइनर या श्रेडक बल्क कारगो वेसल ही समझा जायेगा। वेसल के टनेज पर पोर्ट देय राशि के श्रतिरिक्त डक कारगो/डिब्बा साथ ही डिब्बा बन्दीकृत माल जो डक या बोर्ड पर रखा हो ऐसी वेसल पर उसी दर पर ही शहक श्रदा किया जायेगा।

स्पष्टीकरण : इस अन्गुची मे

- (क) ''शिप'' का ग्रथं यह है कि त्रायु शक्ति द्वारा स्वनोदिन जलयान ।
- (ख) "पवर ड्रिनन वेसल" का ग्रर्थहै कि झिप के ग्रलावा कोई भी जलयान।
- (भ) ''कोस्टिग् शिप'' या ''कोस्टिंग पवर ड्रियन वेसल'' का श्रर्थ है कि एक शिप या स्टीमर जो कोचीन पोर्ट से भारत या बर्मा या मिलोन बीप के किसी पोर्ट को मात्र कार्गो रिहा करता है या स्वीकार करता है ग्रौर ग्रीर ''कोस्टिंग स्टोमरु'' में तटीय स्टीम वेसल भी शामिल है।
- (घ) ''फोरिन णिप'' एवं ''फोरिन पवर ड्रिवन वेसल'' का ग्रर्थ है कि शिप या स्टीमर होना चाहिये न कोस्टिंग णिप या कोस्टिंग पवर ड्रिवन वेसल।

बणतें कि पोर्ट देय राणि भ्रदा करने के उद्देश्य के लिए, एक वेसल नहीं मानना चाहिए एक ही वही याद्वा के दोरान, दोनों तटोय जलपान या पवर दिवन वेसल भ्रीर एक विदेशी जहाज या स्टीमर हो, लेकिन पोर्ट देय राणि ऐसी याता के संबंध में, ऐसी वेसल पर तटीय या विदेशी जहाज या स्टीमर को उगाही करने वॉल दर इस पर भी उगाही करने योग्य है, जो उच्च दर है।

भ्रपवाद :

- (1) स्थिरक भार में कोणीत पोर्ट में प्रवेश करने वाले वेसल, जो बिना यात्री से, से दर के 3/4 राशि वसूल करना चाहिये जो ग्रन्य प्रकार भी वह वसूल योग्य हो, एवं
- (2) जब कभी एक बेसल कोडोन पोर्टमें प्रवेश किया जाये लेकिन वहां से किसी कार्नो या याक्षियों को रिहा नहीं करता या लिया भी नहीं करता तो (मरम्मत के उदेश्य सेडस प्रकार के उतराव या चढ़ाव यदि धावश्यक हो तो छूट के साथ) उससे, पोर्ट राशि दर के श्राधा भाग वसूल करना है जो ग्रन्थ प्रकार भी वह बसूल करने योग्य हो।

[सं. पी. ब्रार. - 14012/5/92-पी जी] भ्रणोक जीगी, संयुक्त समिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd June, 1992

G.S.R. 583(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 1277 dated 30th November, 1974, as amended from time to time, except as respects things done or omitted to be done before—such supersession, the Central Government hereby directs that with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, Port dues shall be levied, on the vessels entering the Port of Cochin described in Column(1) of the Schedule hereto annexed at the rates specied—in column (2) thereof and at the time fixed in column (3) of the said schedule namely:

SCHEDULE

Vessels chargeable (sea going vessels of 15 tonnes and above)		Frequency of payment in respect of the same vessel	
(1) 1. FOREIGN VESSELS		(3)	
(i) Break bulk cargo ships/ steamers	15	The payment of the due at the Port will exempt the ship or steamer for a period of sixty days from liability to pay the due again	
(ii) P.O.L. and Container vessels	20		
OTHER VESSELS:			
(i) Break bulk cargo snips/ steamers(ii) POL and container vessels	15 } 20 J	The due is payable on each entry into the Port	
	(i) P.O.L. and Container vessels OTHER VESSELS: (i) Break bulk cargo snips/ steamers	(i) P.O.L. and Container vessels (ii) P.O.L. and Container vessels (ii) Break bulk cargo snips/ steamers (iv) P.O.L. and Container vessels (iv) P.O.L. and Container vessels	

The rates shall be collected in Indian Rupees at the exchange rate notified by the Reserve Bank of India on the date of arrival of the vessel.

II. COASTAL VESSELS

- (i) Break bulk cargo ships/steamers

 Rs. 2.00 \
 The due is payable once in 30 days.

 Rs. 4.00 \
 The due is payable once in 30 days.
- NOTE: 1. The vessel for whose convenience and adjacent berth/berths is/are kept vacant due to the nature of cargo to be handled at that particular berth or for any other reason shall be charged additional Port dues for each of the berth so kept vacant at the rate applicable to that particular vessel.
- NOIE: 2. Vessels carrying simultaneously break-bulk cargo and containers entering the Port for simultaneous loading/unloading of container as well as break bulk cargo, shall be treated as break bulk cargo vessels for the purpose of levy of Port dues. In addition to Port dues on tonnage of vessel, Port dues on deck cargo/containers including containerised cargo carried on deck or on board the vessel shall be levied at the same rate.

Explanation: In this Schedule.

- (a) "Ship" means a vessel propelled solely by wind power.
- (b) "Power driven vessel" means any vessel other than a ship.
- (c) "Coasting Ship" and "Coasting power driven vessel" means respectively a ship or steamer which at the Port of Cochin discharges cargo exclusively from or takes in cargo exclusively for any Port in the contingent of India or Burma or in the Island of Sri Lanka, and "Coasting Steamer" includes a coasting steam vessel.
- (d) "foreign ship" and "foreign power driven vessel" means respectively a ship or a steamer not being a coasting ship or coasting power driven vessel.

Provided that for the purpose of the levy of Port dues, a vessel shall not be deemed, during one and the same voyage, to be both a coasting ship or a power driven vessel and a foreign ship or steamer, but Port dues shall, in respect of such voyage, be leviable on such vessel at the rate leviable on a coasting or a foreign ship or a steamer, whichever is higher.

EXCEPTIONS:

- (i) A vessel entering the Port of Cochin in ballast and not carrying passengers shall be charged with Port dues at three fourth of the rate with which she would otherwise be chargeable; and
- (ii) When a vessel enters the Port of Cochin but does not discharge or take in any cargo or passengers therein (with the exception of such unshipment and reshipment as may be necessary for purposes of repaire) she shall be charged with a Port due at half the rate with which she would otherwise be chargeable.

[File No. PR-14012/5/92-PG] ASHOKE JOSHI, Jt. Seey.

ग्रधिभुचना

नर्इ दिल्ली, 3 जून, 1992

सा.का.नि. 584(श्र):—भारतीय पत्तन श्रधिनियम, 1908 (1908का 15) की धारा 35की उपधारा (1) हारा प्रदत्त गविनयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा कोचिन पोर्ट कन्हारी एवं श्रन्य मेथायें (मुल्क) श्रादेश, 1977 का संशोधन करने के लिये निम्नलिखित श्रादेश बनाती है, श्रर्थात्:—

प्रादेश

- मंक्षिप्त नाम और प्रारंभ :
- (1) इस ब्रादेश का नाम कोचिन पोर्ट कन्हारी एवं श्रन्य सेवायें(शृल्क) (सातवीं संशोधन) श्रादेश, 1992।
- (2) यह सरकारी राजपत्र में प्रधिसुचना के प्रकाशन के तारीख से प्रवत्त होंगे।
- 2. कीचिन पोर्ट कन्हारी एवं अन्य सेवाये (शुल्क) आदेण 1977 के अनुसूची के मदसं. 1की निम्नलिखित रूप से प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:---

ग्रन्सुभी

मदसं. मेबाकी गीन		क्षेय गुल्क द (प्रति. जी. ग्रार. टी.		
		तटीय जलयान ठ. पं.	विदेशी जलयान यु . एस .सेन्ट	
1 2	}	3	4	
1. कन्हारी श	ल्क			
पाबर से चलाने	माले जलसान			
(1) 3,0	00 जी.आर.टी. तक	3.	0,0 20	

1 2	3	1
(2) 3,001 से 10,000 जी ब्रार टी	3.90	27
(3) 10,001 से 15,000 जी खारटी	4.20	30
(4) 15,001 से 30,000 जी आर टी	4.60	31
(5) 30,001 में 60,000 जी घारटी	4.20	30
(6) 60,001 और उससे श्रधिक जीग्रार टी	4.20	30

3. पोर्ट बैंथं के श्रलावा पोर्ट सीमाओं के श्रन्वर बर्थ किये जाने वाले जलयानों और एक बर्थ से दूसरे बर्थ से भिषिटम के लिये पाइलट की सेवाओं के माग करने पर या श्रन्थ सेवाओं के लिये हर गति के लिये 50% कन्हारी वसुल किया जायेगा।

टिप्पणी :

- 1. कोचिन पार्ट में प्रवेश करने वाले, सहायक इंजन से सुमिज्जित यात्री जहाजों के संबंध में जहाजों के लिये लागू होने वाले दर के अनुसार कन्हार णुक्क वसूल किया जायेगा।
 - 2. उप सरक्षक केस्वनिर्णय के भ्रनुसार रात कन्हारी वसूल किया जायेगा।
- 3. उस विशेष वर्ष में संचालित किये जाने वाले माल के स्वभाव के कारण या ग्रन्य कारणों से एक जलयान जिसकी सुविधा के लिये निकटवर्ती वर्ष की रिक्त बनाते हैं, ऐसे हर एक वर्षों के लिये, एक प्रत्येक, जलयान के लिये लागू होने वाले दरों के ग्रनुसार श्रतिरिक्त कन्हारी गुल्क वसूल किया जायेगा।
- 4. कोचीन शिपयार्ड में निर्मित जलयानों के लिये या सिर्फ सीमाओं में केवल एक ही तारीफ का उपयोग करते हैं, ऐसी बेसलों को मद सं. 1 में सुचित के अनुसार कन्हारी शहक का 50% बसूल किया जायेगा।

2. यात्री जलयान

तटीय जलयान विदर्शा जलयान (क) माल में या स्थिरक भार से प्रवेश करने वाले 200 टन के नीचे प्रति जलयान के हर 200 टन के नीचे, प्रति जलयान के हर जलवान (बाहरी या भीतरी कल्हारी के लिये) एक मार्ग के लिये है. 120/-एक मार्ग के लिये यू. एस. डालर 200 टन और उसम ग्रधिक जलयान 12.86, 200 टन और उससे के हर एक मार्ग के लिये ह. 250/-श्रधिक, जलयान के हर एक मार्ग के लिये यू.एस. डालर 19.05 (ख) ग्रधिनियम की धारा 31 के अन्तर्गत प्रत्येक प्रति जहाज के लिये क. 50/-जहाज के ग्रलावा भ्रन्य प्रति जलयान जलयानों के लिये ग्रनिवार्य कन्हारी से छूट के लिये जहाज भ्रन्य जलयान के लिये रू के लिये यू.एस. डालर 6.20 90/-

टिप्पणिया ः

- (1) क. "जहाज का प्रथंहवा की शक्ति से पूर्ण रूप से नोदन होने वाले जलयान से है।
- म्त्र. ''पावर से चलने वाला जलयान'' का ग्रर्थ वही है जो जहाज के ग्रलावा किसी भी जलयान हो
- (2) महायक इंजन से सुमज्जित, कोचीन पोर्ट में श्राने वाले याती जलयानों के संबंध में जहाजों के लिये लागू होने वाले दर के श्रनुसार कन्हारी शुल्क वसूल किया जायेगा।
- (3) उपर्युक्त मव 1 (আ) के श्रनुसार उद्ग्रहण योग्य णुल्क का किसी भाग या कुल मिलाकर विशेष मामले में सरकार द्वारा श्रदा किया जाये।
- (4) उप संरक्षक के स्वनिर्णयानुसार राम कन्हारी संबंधी शुल्क वसूल किया जायेगा।
- (5) उस विकोष वर्ष में संघालन किये जाने वाले माल के स्वभाव से या अन्य कारगो से एक जलयान जिसकी सुविधा के लिये निकटवर्ती अर्थ या वर्षों जो रिक्त बनाते हैं, ऐसे हर एक वर्ष के लिये प्रत्येक जलयान के लिये लागू होने वाले वरों के प्रनुसार प्रतिरिक्त कन्हारी गुल्क बसूल किया जायेगा।

3. पबर में जनने बांचे जलगातों पर अवसंध्रा प्रभार	-=:	
Direct Alternative Control of the Co	तदीय	विदेणी
	₹.	यु.एस. सेन्ट
(1) मांग रह करने के निये कम में कम दार्घटे के पहले उपासंरक्षण का सूचना मिलती चाहिये।	800,00	5715
(2) मांग किये गये असय से ज्यादा समय पाइलट की सेवा की जरूरत हो तो याने 30 मिनिट से ज्यादा		
कः प्रथम एक घटा याउसके किसी पाके लिये	500.00 प्रति जलयान	3334
स्त्र. उसके बाद हर एक घंटे के लिय या किसी भाग के लिये	200.00 प्रति जलयान	1 429 प्रति जलयान
 एस.ची. पाइलट के अवरोधन प्रभार 		
(1) एम.वी. पाइलट की सेवा के मांग को रह करने के लिये उप संरक्षक का कम से कम दो घर्ट के पूर्व सूचना मिलनी चाहिये	ह. 120/- प्रहि	न जलयान
(2) मांग किये गये समय से 30 मिनिट या ज्यादा पाइलट की जरूरत होती		
क. प्रश्रम घंटेया उसके किसी भाग के लिये	र. ७२/- प्रति अलया	न

ख. उसके बाद केहर एक घंटे या उसके किसी भाग के लिये . 24/- प्रति जलयान

- टिप्पणियां :--- 14 पाइलट द्वारा पवर ड्रिवन वेसल का बोर्ड करने के बाद वापसी केसमय उनके जरूरत न पड़ने केमामलों पर उपर्युक्त उप-मद III (1) में निर्धारित "निरसन प्रभार" के धनुसार शृल्क वस्ल किया जायेगा।
 - 2. पवर ड्रिवन वेसल के बोड करने पर 30 मिनिट तक प्रतिक्षित करने के बाद यदि पाइलट का ग्रपने सेवा की जरूरत न पड़ने की सूचना दी जाये तो उपर्युक्त उप-मद III(1) में निर्धारित निरसन प्रभार ग्रौर टग भाड़ा जो पोट टग भाड़ा के रूप में निर्धारित हो के ग्रलाबा उप-मद III(2) में निर्धारित "श्रवरोधन प्रभाग का भी उद्ग्रहण किया जायेगा:

बगर्लों कि उप संरक्षक स्विनर्णयानुसार प्राप्त श्रवरोधन या प्रभयर या टग किराया पूर्ण रूप से या भागिक तौर पर त्याग देसकता है कि यदि पाइलट द्वारा ऐसा प्रमाण पत्न देसके कि यह श्रवरोधन या रह परिस्थिति के अनुसार हुन्ना है ग्रीर यह पवर ड्विन बेसल के मास्टर के नियन्त्रणाधीन में नहीं था।

स्पष्टीकरण

- (1) ''तटीय वैसल'' का भ्रर्थ है कि कोचीन पोर्ट में भ्राने वाले भारतीय या विदेशी वसल या श्रन्थ भारतीय पोर्ट से स्थिर भार से या माल भार से श्राने वाले वेसल या मिर्फ भारतीय पत्तनों के श्रन्दर यान्ना करने वाले यान्नी जहाज या सिर्फ भारतीय पत्तनों के बीच जाने वाले कार्गों या स्थिरक भार जहाज या दोनों सुविधाश्रों के जहाज जिसको तटीय व्यापार के श्रन्तर्गत मानकर नौबहन के महा निदेशक द्वारा लाइसेन्स प्राप्त किया हो।
- (2) ''विदेशी जहाज'' का अर्थ है जो तटीय वेसल नहीं है । प्रभार की उगाही के लिये यात्री ज<mark>हाज को तटीय वेस</mark>ल के रूप में माना जाता है ।

टिप्पणी :---

विदेशी वेमल के संबंध में कल्हारी णुल्क भारतीय रिजर्थ बैंक द्वारा ग्रिधिसूचित दर के <mark>श्रनुसार भारतीय रुपये में</mark> वेसल के पहुंचने की _|तारीख से श्रदा करना चाहिये।

> [पी . श्रार .-14012/5/92-पीजी] श्रशोक जोशी, संयुक्त स**वि**व

NOTIFICATION

New Delhi, 3rd June, 1992.

G.S.R. 384(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 35 the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Cochin Port Pilotage and other services (Fees) Order, 1977 namely:—

ORDER

- 1. Short Title and Commencement:
 - (i) This order may be called the Cochin Port Pilotage and other services (Fe. s) (Seventh Amendment) Order, 1992.
 - (ii) It shall come into force from the date of its publication in the official Gazette.
- 2. In the Cochin Port Pilotage and other Services (Fees) Order 1977 item 1 of the Schedule shall be substituted by the following namely:

SCHEDULE

Item No.	Nature of Service		Scale of fees payable on (Rate per GRT)	
		Consting Vessels	Foreign Vessels	
I. PILO	PTAGE FEE			
Po	wer driven Vessels			
		Rs. Ps.	US Cents	
1.	Upto 3,000 GRT	3.00	20	
2.	3,000 to 10,000 GRT	3.90	27	
3.	10,001 to 15,000	4,20	² 0	
4.	15,001 to 30,000 ,,	4.60	31	
5.	30,001 to 60,000 ,,	4.20	30	
6.	60,001 and above ,,	4.20	30	

- 3. Vessels berthing within Port limits other than at Ports berths and requisitioning services of a Pilot for shifting from berth to berth or otherwise will be charged 50% of Pilotage for each movement.

 NOTE:
 - 1. In respect of sailing vessels fitted with auxiliary engines entering the Port of Cochin. Pilotage fees shall be charged at the rate applicable to ships.
 - 2. Night Pilotage will be undertaken at the discretion of the Deputy Conservator.
 - 3. The vessel for whose convenience adjacent berth or berths is or are kept vacant due to the nature of cargo to be handled at that particular berth or for any other reason shall be charged additional Pilotage fees for each of the berth so kept vacant at the rate applicable to the particular vessel.
 - 4. Vessels built at Cochin Shipyard availing of only one way pilotage to the Port limits be charged 50% of the pilotage fees mentioned in Item I.

II. SAILING VESSELS.

 (a) Vessels enter with cargo or in ballast (for pilotage inward or outward) Coastal vessel
Rs. 120/- each way per vessel
below 200 tonnes

Foreign Vessel US \$ 12.86 each way per vessel below 200 tonnes

	Rs. 250/- each way per vessel of 200 tonnes and above	US \$ 19.05 each way per vessel of 200 tonnes and above
(b) For exemption from compulsory pilotage on certain vessels under section 31 of the Act.	Rs. 50/- per ship Rs. 90/- per vessel other than ship	US \$ 6.20 per vessel other than ship

NOTES:

- (1) (a) "Ship" means a vessel propelled solely by wind power.
 - (b) "Power driven Vessel" means any vessel other than a ship.
- (2) In respect of sailing vessels fitted with auxiliary engines entering the Port of Cochin, pilotage fees shall be charged at the rate applicable to ships.
- (3) The Government may in special cases, remit the whole or any portion of the fees leviable in accordance with item I(b) above.
- (4) Night Pilotage will be under-taken at the discretion of the Deputy Conservator.
- (5) The vessel for whose convenience adjacent berth/berths is/are kept vacant due to the nature of cargo to be handled at that particular berth or for any other reason shall be charged additional pilotage fees for each of the berth so kept vacant at the rate applicable to the particular vessel.

III. DETENTION CHARGES ON POWER DRIVEN VESSELS.

.00	US Cents 5715
.00	5715
00 vessel	3334
.00 vessel	1429
stal	
120.00 per vesse	:1
72.00 per vessel.	
24.00 per vessel	
	vessel 00 vessel stal 120.00 per vesse

Notes :--

- 1. In case where a Pilot boards a power driven vessel but has to return on being informed that his services are not required "Cancellation charges" specified in sub-item III (i) above shall be levied.
- 2. If a Pilot is made to wait for more than 30 minutes after boarding the power driven vessel and is being informed that his services are not required "detention charges" specified in sub-item III (ii) above shall be levied in addition to cancellation charges specified in sub-item III (i) above and also hire charges of tugs, if any specified for the hire of Port's tugs.

Provided that the Deputy Conservator may at his discretion waive the whole or part of the detention or cancellation charge or tug hire so incurred if the detention or cancellation is due to the circumstances beyond the control of the master of the power driven vessel and if the pilot certifies to that effect.

Explanation (1) "Coastal Vessel" means on Indian or a foreign vessel arriving at the Cochin Port or from another Indian Port either in ballast or with cargo loaded in or passengers embarked exclusively from Indian Ports with both and which leaves for another Indian Port or either in ballast or with cargo of passengers exclusively for Indian Ports or with both provided that the ship has obtained a licence from the Directorate General of shipping for being treated as a vessel engaged in coastal trade.

(2) "Foreign vessel" means a vessel other than a coastal vessel. For the purpose of levy of charges sailing vessel will be deemed coasting vessel.

NOTE: The Pilotage fees in respect of foreign vessels shall be collected in Indian Rupees at the exchange rate notified by the Reserve Bank of India on the date of arrival of the vessel.

[File N . PR-14012/5/92-PG] ASHOKE JOSHI, Jt. Secy .